# केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
# CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA
(संसद के अधिनियम /द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,*Established under the Act of Parliamentin 2009)*
**TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD – 671316,KERALA**

**HEAD**
**DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE**


CUK/HEAD/HINDI/2594/2021

**Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21st April 2021**

**Venue** : HoD Chamber/online

**Agenda** : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

**Chair** : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

**Board of studies Members**

| Sl No | Name of the Members | Designation | Signature |
|---|---|---|---|
| 01 | Dr. Taru S. Pawar | Chairperson | Online |
| 02 | Prof. Sudha Balakrishnan | Member | Online |
| 03 | Dr. Dharmendra Pratap Singh | Member | Online |
| 04 | Dr. Shalini M | Member | Online |
| 05 | Dr. Jayanti Prasad Nautiyal | Member | Online |
| 06 | Prof. R. Jayachandran | Member | Absent |
| 07 | Prof. Shanti Nair | Member | Online |
| 08 | Dr. Suma T. Rodanwar | Member | Online |

21/5/21

**Dr. Taru S. Pawar**
**Chairperson**

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod

हिन्दी विभाग / Department of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod

# पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

**Course: P. G. Diploma course in Hindi Jansanchar Madhyam aur Media Lekhan**

## पाठ्यक्रम (Syllabus of the Course)

### LMC 4101 - हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप एवं इतिहास

| | | | |
|---|---|---|---|
| Course Code | LMC 4101 | Semester | I(First) |
| Name of Course | हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप और इतिहास<br>(Hindi Patrakarita Ka Swroop Aur Itihas) | | |
| Speciality | कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course) | | |
| Credit / क्रेडिट-04 | Contact Hours: L-03, T-01=04 | Type | Core |

**प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :**

संचार माध्यमसूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं बल्कि जीवन के शाश्वत, नैतिक, सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम को जांचने और परखने का माध्यम है । सम्पूर्ण समाज और राजस्व-व्यवस्था का नियामक है। सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक संघर्षों की छंटा को यथावत रूप में उभारने का कार्य करती है तो दूसरी ओर परस्पर सहमति और सौहार्द्र स्थापित करती है।संचार माध्यमों की ऐतिहासिक जानकारी हासिल करते हुए रेडियो, टेलीविज़न और समाचार पत्र के लिए लेखन प्रक्रिया और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी। बदलते परिप्रेक्ष्य में माध्यमों में प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।

**प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :**

- यह प्रश्न पत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक आरंभिक जानकारी– स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् की देता है जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।

## प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

### इकाई- एक

**भारत में पत्रकारिता का विकास** – मुद्रण पद्धतियों का परिचय एवं उपकरण इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम के पूर्व और पश्चात् पत्रकारिता, स्वतन्त्र पत्रकारिता

### इकाई- दो

**हिंदी पत्रकारिता का उदय एवं विकास -** पत्रकारिता का अर्थ,परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार,इतिहास उदय, तत्व, राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम मेंहिन्दी पत्रकारिता का महत्त्व जनसंचार लेखन एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य : संपादकीय लेख

### इकाई- तीन

इंट्रो के प्रकार , छः-ककार, पत्रकारिता का मूल्य, समाचार संकलन में छः ककार की भूमिका, निर्मित समाचार, पत्रकारिता से संबंधित पारिभाषिक और तकनीकी शब्दावली

### इकाई- चार

**प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया** - रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएं

## परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।